खबर संक्षेप

पीएनजी गैस लाईन उपलब्ध होने पर कनेक्शन लेने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के आवासीय स्कूलों, कॉलेजों, छात्रावासों, कम्युनिटी किचन एवं आंगनवाड़ी किचनों में पीएनजी गैस कनेक्शन स्थापित करने के निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जहां पाइपलाइन अधोसंरचना उपलब्ध है वहां आगामी 5 दिनों के भीतर पीएनजी गैस कनेक्शन स्थापित कराना सुनिश्चित करें।

जारी निर्देश में कहा गया है कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए प्राकृतिक गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा पीएनजी नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों में कमर्शियल एलपीजी की जगह पीएनजी गैस आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि जिले में संचालित समस्त आवासीय विद्यालय, कॉलेज, छात्रावास मेस, निजी हॉस्टल, कम्युनिटी किचन एवं आंगनवाड़ी किचनों में प्राथमिकता के आधार पर पीएनजी गैस कनेक्शन स्थापित किए जाएं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि जिले में बीपीसीएल कंपनी द्वारा सीजीडी योजना के अंतर्गत पीएनजी पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है तथा कनेक्शन हेतु संबंधित एजेंसी से संपर्क किया जा सकता है। गैस कनेक्शन लिए जाने हेतु वीपीसीएल के मो. न. 9424738607 पर सम्पर्क किया जा सकता है। इस पहल का उद्देश्य स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना, गैस आपूर्ति को सुरक्षित एवं सुगम बनाना तथा संस्थानों में आधुनिक गैस अधोसंरचना का विस्तार करना है।

तीन विकासखण्डों में जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण आयोजित

शहडोल। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के सोहागपुर, बुढार एवं जयसिंहनगर विकासखण्डों में एक साथ एफटीके (जल गुणवत्ता परीक्षण) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एवं स्थानीय स्तर पर जांच की क्षमता विकसित करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को जल गुणवत्ता परीक्षण की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पानी की शुद्धता जांचने की विधियों के साथ-साथ स्वच्छ जल के महत्व से भी अवगत कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक ग्राम से पांच कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, ताकि गांव स्तर पर ही जल गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित की जा सके।

प्रशिक्षण में तीनों विकासखण्डों में दो पालियों में कुल 101 ग्राम पंचायतों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रतिभागियों को एफटीके किट का वितरण भी किया गया, जिससे वे अपने-अपने क्षेत्रों में जल परीक्षण का कार्य प्रभावी ढंग से कर सकें। यह पहल जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने एवं जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं तो थम जाएंगे कॉलरी के चक्के

बकहो में हक की हुंकार, परिषद ने प्रबंधन को घेरा!

शहडोल। अपनी ही जमीन पर रोजगार के लिए तरस रहे स्थानीय युवाओं के सब्र का बांध अब टूट चुका है। नगर परिषद बकहो के जनप्रतिनिधियों ने बाहरी कंपनियों की मनमानी और स्थानीय हितों की अनदेखी के खिलाफ आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है। परिषद की अध्यक्ष श्रीमती मौसमी केवट और उपाध्यक्ष वैभव विक्रम सिंह ने जिला प्रशासन और कॉलरी प्रबंधन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 48 घंटे के भीतर स्थानीय युवाओं को काम पर नहीं रखा गया, तो ओशियम खदान का कामकाज पूरी तरह ठप कर दिया जाएगा।

5 महीने बाद भी प्रबंधन के हाथ खाली

मामला शारदा ओशियम और उसमें आउटसोर्सिंग का काम देख रही आर.के. अर्थ रिसोर्स फर्म से जुड़ा है। गौरतलब है कि करीब पांच महीने पहले भी स्थानीय लोगों ने रोजगार की मांग को लेकर मोर्चा खोला था। उस वक्त प्रबंधन ने लिखित आश्वासन देकर आंदोलन खत्म कराया था कि स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी और उन्हें निर्धारित एचपीसी रेट पर भुगतान किया जाएगा, लेकिन हकीकत यह है कि प्रबंधन ने इस आश्वासन को रद्दी का टुकड़ा समझकर कूड़ेदान में डाल दिया। आज भी बाहरी लोगों को लाकर खदानों में खपाया जा रहा है, जबकि क्षेत्र का शिक्षित और हुनरमंद युवा बेरोजगारी का दंश झेल रहा है।

क्षेत्र का दोहन और बाहरी का पोषण नहीं चलेगा

नगर परिषद पदाधिकारियों ने कलेक्टर को सौंपे गए पत्र में प्रबंधन की नीयत पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि न केवल स्थानीय युवाओं को नजरअंदाज किया जा रहा है, बल्कि जो स्थानीय मजदूर कार्यरत हैं, उन्हें भी तय मजदूरी नहीं दी जा रही है। इसके अलावा, क्षेत्र के स्थानीय वाहनों और मशीनों को दरकिनार कर बाहरी मशीनों से काम लिया जा रहा है। हम अपनी जमीन पर बाहरी कंपनियों की दादागिरी नहीं चलने देंगे। अगर हमारे युवाओं को उनका हक नहीं मिला, तो प्रशासन उग्र आंदोलन के लिए तैयार रहे।

48 घंटे का अल्टीमेटम

नगर परिषद ने स्पष्ट कर दिया है कि अब बातचीत का दौर खत्म हो चुका है। यदि अगले 02 दिनों के भीतर फर्म और प्रबंधन ने ठोस कार्रवाई नहीं की, तो बकहो की जनता सडक़ों पर उतरेगी। आंदोलन के दौरान कॉलरी के कार्यों को पूरी तरह बंद करा दिया जाएगा, जिसकी समस्त जवाबदेही प्रशासन और कंपनी प्रबंधन की होगी। इस अल्टीमेटम की प्रतियां पुलिस अधीक्षक, एसडीएम और कॉलरी प्रबंधन को भी भेज दी गई हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन स्थानीय जनप्रतिनिधियों के इस तेवर के आगे झुकता है या बकहो एक बड़े जन-आंदोलन का गवाह बनता है।

जयसिंहनगर में गल्ला व्यापारी से 4 लाख की सनसनीखेज लूट

चोरों ने कार का सीना चीरकर उड़ा दी नकदी!

शहडोल। जिले में कानून का इकबाल खत्म होता नजर आ रहा है और अपराधियों के जेहन से पुलिस का खौफ काफूर हो चुका है। जयसिंहनगर के व्यस्ततम इलाके में दिनदहाड़े हुई एक वारदात ने पुलिसिया गश्त और सुरक्षा दावों की धज्जियां उड़ा दी हैं। बेखौफ चोरों ने एक गल्ला व्यापारी की कार का शीशा तोडक़र चंद मिनटों में 4 लाख रुपये पार कर दिए। यह वारदात महज एक चोरी नहीं, बल्कि स्थानीय पुलिस की नाक के नीचे अपराधियों का खुला शक्ति प्रदर्शन है।

रेकी का शिकार हुए व्यापारी

जानकारी के अनुसार, कौआ सरई निवासी गल्ला व्यापारी अशोक कुमार गुप्ता स्टेट बैंक से 4 लाख रुपये निकालकर अपनी कार से निकले थे। व्यापारी ने कार अप्सरा साड़ी सेंटर के पास खड़ी की और कुछ काम से बाहर निकले। यहीं पर घात लगाए बैठे शातिर शिकारी ने अपनी चाल चली। कार में रखे लाखों रुपयों को देखकर आरोपी ने पलक झपकते ही शीशा तोड़ा और बैग लेकर नौ दो ग्यारह हो गया। जिस सफाई से वारदात को अंजाम दिया गया, उससे साफ है कि अपराधी बैंक से ही व्यापारी का पीछा कर रहा था। पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली का ही नतीजा है कि भीड़भाड़ वाले इलाके में भी अपराधी इतने दुस्साहस के साथ वारदात को अंजाम देकर निकल जाते हैं।

सीसीटीवी में कैद हुआ चेहरा

घटना के बाद जब पुलिस पहुंची और सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए, तो आरोपी की करतूत कैमरे में कैद मिली है। थाना प्रभारी अजय कुमार बैगा का कहना है कि मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या सीसीटीवी फुटेज ही पुलिस का एकमात्र सहारा रह गया है, सडक़ों पर पुलिस की मौजूदगी क्यों नजर नहीं आती? दिनदहाड़े बाजार में अगर कार के शीशे तोडक़र लाखों रुपये उड़ाए जा रहे हैं, तो आम आदमी खुद को सुरक्षित कैसे समझे? पुलिस केवल चालान काटने और खानापूर्ति करने में व्यस्त है, जबकि अपराधी शहर को चारागाह समझ रहे हैं।

दांव पर खाकी की साख

व्यापारी अशोक कुमार के होश उड़े हुए हैं और क्षेत्र के व्यापारिक जगत में इस घटना को लेकर गहरा रोष है। जयसिंहनगर पुलिस अब संदिग्ध की तलाश में दबिश देने की बात कह रही है, लेकिन अपराधी अभी भी पकड़ से दूर है। जिले के आला अधिकारियों को अब जयसिंहनगर की चरमराती कानून व्यवस्था पर कड़ा संज्ञान लेना होगा, वरना जनता का भरोसा पुलिस से पूरी तरह उठ जाएगा।

बिजली विभाग के शॉर्ट-सर्किट प्रबंधन ने वार्ड-30 को दहलाया

शहडोल। सूरज की तपिश ने तो जनता का जीना मुहाल किया ही है, अब बिजली विभाग की लापरवाही और जर्जर व्यवस्थाएं वार्डों में मौत का जाल बिछा रही हैं। शहर के वार्ड नंबर 30 में भीषण गर्मी और ओवरलोड के चलते एक बिजली खंभा अचानक फायर शो का केंद्र बन गया। खंभे से उठती आग की लपटों ने न केवल इलाके में हडक़ंप मचाया, बल्कि विभाग के उन खोखले दावों की भी पोल खोल दी, जिसमें वे निर्बाध और सुरक्षित आपूर्ति की कसमें खाते हैं।

केबलों का जंजाल बना काल

तापमान 40 डिग्री पार क्या हुआ, विभाग का पूरा सिस्टम ही पसीने छोड़ गया। वार्ड-30 में ओवरलोड के कारण केबलों में जोरदार शॉर्ट सर्किट हुआ और देखते ही देखते खंभा आग का गोला बन गया। खंभे पर मकडज़ाल की तरह लिपटे इंटरनेट और टीवी केबल ने घी का काम किया, जिससे आग और भडक़ गई। गनीमत रही कि आग की लपटें किसी घर या राहगीर तक नहीं पहुंचीं, वरना प्रशासन आज किसी बड़े मातम का हिसाब दे रहा होता।

सिर्फ दो घंटे की कटौती या विभाग की गहरी नींद

घटना के बाद आनन-फानन में दो घंटे के लिए बिजली तो काट दी गई, लेकिन सवाल यह है कि विभाग हादसे के बाद ही क्यों जागता है? गर्मी के सीजन से पहले मेंटेनेंस के नाम पर जो घंटों कटौती की गई, वह आखिर कहां गई, सच्चाई यह है कि बढ़ती मांग और एसी-कुलर के लोड का आकलन करने में विभागीय इंजीनियर पूरी तरह फेल साबित हुए हैं। पुराने तार और ढीले कनेक्शन आज जनता की जान पर भारी पड़ रहे हैं।

सुधर जाइए, वरना बुझ जाएगी विकास की बत्ती

वार्ड-30 की यह घटना महज एक ट्रेलर है। यदि बिजली विभाग ने ओवरलोड ट्रांसफार्मरों और जर्जर तारों को दुरुस्त नहीं किया, तो शहडोल की गलियां आग के टापू में बदल जाएंगी। जनता बिजली बिल तो हाई वोल्टेज के साथ भर रही है, लेकिन बदले में उन्हें मिल रहे हैं तो सिर्फ मौत के झटके और जलते हुए खंभे। प्रशासन को चाहिए कि दफ्तरों से निकलकर मैदानी हकीकत देखें, वरना किसी दिन यह शॉर्ट-सर्किट विभाग की कुर्सी तक पहुंचने में देर नहीं लगाएगा।

एचपीव्ही वैक्सीनेशन अभियान के तहत संभाग में 86 प्रतिशत किया गया टीकाकरण

आयुक्त ने 30 अप्रैल तक शत-प्रतिशत टीकाकरण पूरा करने के दिए निर्देश

शहडोल। भारत सरकार द्वारा 14 से 15 वर्ष के किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीव्ही विशेष टीकाकरण अभियान का संचालन किया जा रहा है। आयुक्त शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने 30 अप्रैल तक निर्धारित लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत टीकाकरण पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्तमान में शैक्षणिक सत्र संचालित है, लक्षित किशोरियों का चिन्हांकन कर स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित स्कूलों में टीकाकरण सत्र आयोजित कर लक्ष्य की प्राप्ति की जाए।

शहडोल संभाग में एचपीव्ही टीकाकरण का लक्ष्य 25,397 के विरुद्ध 21,897 उपलब्धि दर्ज की गई, जो 86.2 प्रतिशत है। जिला शहडोल में कुल लक्ष्य 11,051 के विरुद्ध 9,762 उपलब्धि 88.3 प्रतिशत है। ब्लॉकवार स्थिति में ब्यौहारी में 2315 के विरूद्ध 2057 उपलब्धि जो 88.09 प्रतिशत है। बुढार क्षेत्र में 2771 लक्ष्य के विरुद्ध 2404 उपलब्धि 86.8 प्रतिशत है। गोहपारू में 1121 लक्ष्य के विरुद्ध 1107 उपलब्धि जो 98.8 प्रतिशत है। जयसिंहनगर में 2004 लक्ष्य के विरुद्ध 1985 उपलब्धि जो 99.1 प्रतिशत है तथा सोहागपुर में 2840 लक्ष्य के विरुद्ध 2209 उपलब्धि 77.8 प्रतिशत दर्ज की गई। जिला उमरिया में कुल लक्ष्य 7,185 के विरुद्ध 6,789 उपलब्धि जो 94.5 प्रतिशत रही। इसमें करकेली में 2881 लक्ष्य के विरुद्ध 2739 उपलब्धि जो 95.1 प्रतिशत, मानपुर में 2822 लक्ष्य के विरुद्ध 2568 उपलब्धि जो 91.0 प्रतिशत, पाली में 1132 लक्ष्य के विरुद्ध 1132 उपलब्धि जो 100 प्रतिशत तथा नौरोजाबाद में 350 लक्ष्य के विरुद्ध 350 उपलब्धि जो 100 प्राप्त हुई। जिला अनूपपुर में कुल लक्ष्य 7,161 के विरुद्ध 5,346 उपलब्धि जो 74.7 प्रतिशत है। ब्लॉक अनूपपुर में 1995 लक्ष्य के विरुद्ध 1554 उपलब्धि जो 77.9 प्रतिशत है, जैतहरी में 910 लक्ष्य के विरुद्ध 739 उपलब्धि जो 81.2 प्रतिशत है, कोतमा में 1762 लक्ष्य के विरुद्ध 1337 उपलब्धि जो 75.9 प्रतिशत है तथा पुष्पराजगढ़ में 2494 लक्ष्य के विरुद्ध 1716 उपलब्धि जो 68.8 प्रतिशत दर्ज की गई।

शादी में आई नाबालिग का अपहरण कर रौंदी अस्मत

27 को होने वाली थी मुख्य आरोपी की शादी, अब जेल में कटेगी रातें!

शहडोल। जिले में अपराधी इस कदर बेखौफ हो चुके हैं कि अब बहन-बेटियां अपने रिश्तेदारों के घर भी सुरक्षित नहीं हैं। सोहागपुर थाना क्षेत्र से एक ऐसी रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। अपनी मौसी के घर शादी की खुशियों में शामिल होने आई एक 14 वर्षीय मासूम को दरिंदों ने अपनी हवस का शिकार बनाया। वारदात को अंजाम देने वाला मुख्य आरोपी खुद दूल्हा बनने के सपने देख रहा था, लेकिन कानून के लंबे हाथों ने उसे मंडप के बजाय सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

सूनसान इलाके में की हैवानियत

जानकारी के अनुसार, मासूम किशोरी घर के बाहर खड़ी थी, तभी अमन बैगा अपने साथी मोहित और तरुण के साथ ई-स्कूटी पर सवार होकर यमदूत बनकर वहां पहुंचा। आरोपियों ने नाबालिग का अपहरण किया और उसे जबरन स्कूटी पर बैठाकर करियाधार मेले के पास एक सुनसान इलाके में ले गए। यहां मुख्य आरोपी अमन बैगा ने मासूम की चीखों को अनसुना करते हुए उसके साथ दरिंदगी की।

विरोध पर मारपीट, जान से मारने की धमकी

आरोपियों ने केवल दुराचार ही नहीं किया, बल्कि जब मासूम ने अपनी अस्मत बचाने के लिए संघर्ष किया और भागने की कोशिश की, तो उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। दरिंदों ने मासूम को डराया-धमकाया कि यदि उसने जुबान खोली तो उसे जान से मार दिया जाएगा। किसी तरह उनके चंगुल से छूटकर पीड़िता ने परिजनों को आपबीती सुनाई, जिसके बाद सोहागपुर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी शुरू की।

27 अप्रैल को आनी थी बारात

इस पूरे मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि मुख्य आरोपी अमन बैगा की अपनी शादी आगामी 27 अप्रैल को तय थी। घर में खुशियों का माहौल था और बारात निकलने की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन आरोपी की करतूत ने उसे दूल्हा बनने से पहले ही कैदी बना दिया। अब वह जेल की सलाखों के पीछे अपनी बर्बादी का जश्न मनाएगा।

तीन गिरफ्तार, एक अब भी फरार

सोहागपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अमन बैगा, विकास और मोहित को दबोच लिया है और उन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। हालांकि, मामले का एक अन्य आरोपी तरुण अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है, लेकिन फरार आरोपी की गिरफ्तारी अभी भी एक चुनौती है। जनता की मांग है कि इन दरिंदों को ऐसी कड़ी सजा मिले कि भविष्य में कोई भी मासूम की तरफ आँख उठाकर देखने की जुर्रत न कर सके।

इनका कहना है...

मौसी के घर शादी में शामिल होने आई एक नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुराचार किया, इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की है। वहीं एक आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

अभिषेक दीवान
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक
शहडोल

भ्रष्टाचार की ग्रेवल पर उपयंत्री की जादूगरी

तेंदूडोल में विकास नहीं, सरकारी खजाने की डकैती

शहडोल। पंचायती राज व्यवस्था में सरकारी राशि को दीमक की तरह चाटने वाले भ्रष्ट तंत्र ने अब अपनी हदें पार कर दी हैं। जयसिंहनगर जनपद के ग्राम पंचायत तेंदूडोल में विकास की गंगा नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का ऐसा कीचड़ बह रहा है, जिसके मुख्य सूत्रधार क्षेत्र के उपयंत्री बताए जा रहे हैं। अपनी तकनीकी कलम की ताकत का गलत इस्तेमाल कर उपयंत्री ने न केवल सरकारी नियमों को ताक पर रखा है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की आंखों में धूल झोंककर शासन की साख को भी दांव पर लगा दिया है।

तकनीकी मापदंडों का कत्लेआम

जीरामजी योजना के तहत बनाई जा रही लगभग एक किलोमीटर लंबी ग्रेवल रोड आज उपयंत्री की कार्यप्रणाली पर सबसे बड़ा कलंक बनकर खड़ी है। नियम और निर्देश स्पष्ट हैं कि ग्रेवल रोड में पत्थर और जीएसबी का एक निर्धारित अनुपात होना अनिवार्य है, लेकिन यहां तो उपयंत्री महोदय की विशेष कृपा से पूरी सडक़ को मिट्टी-मुरुम के ढेर में तब्दील कर दिया गया है। पूरी सडक़ पर बमुश्किल 10 मीटर के दायरे में गिट्टी के दर्शन होते हैं, बाकी जगह सिर्फ भ्रष्टाचार की लीपापोती है। अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए आनन-फानन में ट्रैक्टरों से डस्ट डलवाकर वरिष्ठ अधिकारियों को गुमराह करने की नाकाम कोशिश की गई। बिना रोलर चलाए और बिना समतलीकरण के बनाई गई यह सडक़ पहली बारिश से पहले ही दम तोड़ चुकी है। सडक़ बीच से दब गई है, जिससे ग्रामीणों का आवागमन सुगम होने के बजाय जानलेवा हो गया है।

पुलिया नहीं, भ्रष्टाचार का स्मारक

भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा तो तब देखने को मिलती है जब आप पंचायत भवन के समीप तालाब की मेड़ पर पहुंचते हैं। यहां पांच लाख रुपये की लागत से एक ऐसी पुलिया खड़ी कर दी गई है, जिसका न कोई रास्ता है और न ही कोई तार्किक आधार। सवाल यह है कि आखिर इस हवा महल जैसी पुलिया को तकनीकी स्वीकृति किसने और क्यों दी? साफ जाहिर है कि उपयंत्री ने बिना किसी सर्वे और जन-आवश्यकता को समझे, केवल सरकारी बजट को ठिकाने लगाने और कमीशन का खेल खेलने के लिए इस औचित्यहीन निर्माण की फाइल तैयार की। यह सीधे तौर पर जनता की गाढ़ी कमाई पर डकैती है।

वरिष्ठ अधिकारियों की छवि को धूमिल करने की साजिश

जहां एक ओर जनपद सीईओ और एपीओ जिले में विकास कार्यों को पारदर्शी बनाने के लिए दिन-रात पसीना बहा रहे हैं, वहीं धरातल पर बैठे ऐसे लापरवाह उपयंत्री उनकी मेहनत पर पानी फेरने में लगे हैं। वरिष्ठ अधिकारी योजनाओं का खाका जनता की भलाई के लिए खींचते हैं, लेकिन उपयंत्री जैसे मैदानी अमले की सेटिंग और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण योजनाएं बंदरबांट की भेंट चढ़ जाती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उपयंत्री ने अपनी रिपोर्ट में सब कुछ ऑल इज वेल दिखाकर जिला प्रशासन को अंधेरे में रखा है। यदि समय रहते इन तकनीकी अधिकारियों पर नकेल नहीं कसी गई, तो शासन की छवि जनता के बीच और भी खराब होगी।

अब तो दफ्तर से बाहर निकलिए

तेंदूडोल के आक्रोशित ग्रामीणों ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। ग्रामीणों ने कलेक्टर और जनपद सीईओ से पुरजोर मांग की है कि तत्काल मौके का भौतिक सत्यापन कराया जाए। उपयंत्री की भूमिका की उच्चस्तरीय जांच हो, कागजी घोड़े दौड़ाने वाले दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा जाए। क्या प्रशासन अपने ही तंत्र के इस भ्रष्ट पुर्जे (उपयंत्री) पर कार्रवाई की हिम्मत दिखाएगा या फिर कागजों पर चमकती सडक़ें और हवा में झूलती पुलिया यूं ही जनता का मजाक उड़ाती रहेंगी?

उमरिया में प्रगणकों को मिल रहा व्यावहारिक प्रशिक्षण, सटीक आंकड़ों पर जोर

उमरिया। जनगणना 2027 के तहत मकानसूचीकरण एवं आवास गणना से जुड़े कार्यों के लिए प्रगणकों और सुपरवाइजरों का व्यापक प्रशिक्षण संपूर्ण जिले में आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरिया सहित नौरोजाबाद,चंदिया, बिलासपुर और मानपुर में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण सत्रों में प्रतिभागियों को भवन और जनगणना मकान के बीच अंतर स्पष्ट किया गया। साथ ही फर्श, दीवार और छत की मुख्य निर्माण सामग्री की पहचान, मकान के वास्तविक उपयोग और उसकी स्थिति (रहने योग्य, खाली आदि) का सही आकलन करने के तरीके विस्तार से समझाए गए। परिवार संबंधी जानकारी-जैसे परिवार क्रमांक, कुल सदस्यों की संख्या, परिवार के मुखिया का विवरण, मकान के स्वामित्व की स्थिति और उपलब्ध कमरों की संख्या को दर्ज करने की प्रक्रिया पर विशेष मार्गदर्शन दिया गया। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उमरिया में आयोजित प्रशिक्षण सत्र का निरीक्षण करते हुए अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ने जनगणना प्रक्रिया को सरल और व्यवस्थित तरीके से समझाया। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि देश की विकास नीतियों, योजनाओं और संसाधनों के न्याय संगत वितरण की आधारशिला है। प्रत्येक दर्ज की गई जानकारी भविष्य की नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने प्रायोगिक प्रशिक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। वास्तविक परिस्थितियों में कार्य करने की समझ ही एक सक्षम गणनाकर्मी की पहचान है। फील्ड में आने वाली चुनौतियाँ जैसे लोगों का सहयोग प्राप्त करना, सटीक जानकारी एकत्र करना और तकनीकी साधनों का प्रभावी उपयोग का अभ्यास प्रशिक्षण के दौरान ही सुदृढ़ किया जाना आवश्यक है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जनगणना कार्य को अधिक सटीक, प्रभावी और विश्वसनीय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नगर पालिकाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी

रजिस्ट्रीकरण,सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की गई नियुक्ति

उमरिया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राखी सहाय ने बताया कि 1 जनवरी 2026 की स्थिति में नगर पालिकाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक 2026 का वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राखी सहाय ने आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश निर्वाचन नियम के प्रावधानो के अंतर्गत अधिकारियों को नगर पालिका परिषद,नगर के अंतर्गत आने वाले नगरीय क्षेत्रों की फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण 1 जनवरी 2026 की स्थिति मे करने,उन्हें प्रकाशित करने तथा सूचियों के संबंध में प्रस्तुत दावे और आपत्तियों का निराकरण कर उन्हें संशोधित करते हुए अंतिम रूप देने के लिए रजिस्ट्रीकरण, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति की है।

नगर पालिका परिषद उमरिया के लिए अनुविभागीय अधिकारी बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, दिलीप सोनी प्रभारी तहसीलदार बांधवगढ को सहा0 रजिस्ट्री करण अधिकारी, नगर परिषद चंदिया के लिए आशीष शर्मा प्रभारी तहसीलदार चंदिया को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी , कौशल सिंह प्रभारी नायब तहसीलदार सहा0 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी , नगर पालिका परिषद पाली के लिए अनुविभागीय अधिकारी पाली मीनाक्षी इंगले को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, नीलेश सिंह प्रभारी तहसीलदार को सहा0 रजिस्ट्री करण अधिकारी, नगर परिषद नौरोजाबाद के लिए अभ्यादनंद शर्मा प्रभारी तहसीलदार को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी , राम सिंह धुर्वे प्रभारी नायब तहसीलदार को सहा0 रजिस्ट्री करण अधिकारी , नगर परिषद मानपुर के लिए पंकज नयन तिवारी प्रभारी तहसीलदार मानपुर को रजिस्ट्रीरकरण अधिकारी तथा रणमत सिंह नायब तहसीलदार को सहा0रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा है कि मप्र राज्य निर्वाचन आयोग व्दारा जारी कार्यक्रम अनुसार 27 अप्रैल को दोपहर 3 बजे से कलेक्टर सभागार कक्ष में प्रशिक्षण प्राप्त कर आयोग के निर्देशानुसार पुनरीक्षण कार्यवाही समय सारणी अनुसार संपन्न कराना सुनिश्चित करेंगे ।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर कलेक्टर सभागार में कार्यक्रम संपन्न

समाज की मुख्य धारा से जुडकर महिलाएं बढ़ रही आगे: कलेक्टर

उमरिया। पंचायती राज व्यवस्था देश के लोकतंत्र की मजबूत नींव है, जो ग्रामीण स्तर पर विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाकर ही आत्मनिर्भर और विकसित गांवों का निर्माण संभव है। इसके लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उक्त आशय के विचार कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कलेक्टर सभागार में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर कलेक्टर सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए ।

उन्होने कहा कि महिलाएं समूह से जुडक़र समाज मे बेहतर काम कर रही है तथा स्वयं कार्य करते हुए दूसरों को भी रोजगार उपलब्ध करा रही है , जिससे महिलाओं के जीवन में स्वमेव ही बदलाव देखा जा सकता है। उन्होंने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि आप सभी इसी तरह मेहनत करते हुए अपने अपने कार्य को अंजाम दें और बेहतर ढंग से अपने परिवार का संचालन करें।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंच रहा है । कार्यक्रम के अंत में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायत एवं विभिन्न विभाग के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया । पीएआई 2.0 डाटा प्रविष्टि पर उत्कृष्ट प्रदर्शन पर ग्राम पंचायत पठारी,ग्राम पंचायत दुब्बार, ग्राम पंचायत लोढ़ा,ग्राम पंचायत अमरपुर, ग्राम पंचायत खालौंधा,ग्राम पंचायत बडख़ेरा, ग्राम पंचायत कोहका, ग्राम पंचायत रकसा, ग्राम पंचायत छापरौड़, महिला एवं बाल विकास उत्कृष्ट कार्यकर्ता सुश्री सुनीता महतो,श्री मति राधा तिवारी, श्रीमती सीमा गुप्ता,श्रीमती कांता बर्मन, श्रीमती प्रेमलता श्रीवास्तव , स्वच्छ भारत मिशन के तहत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में प्रेमशुक्ला , गोविन्द कुमार गौतम, गेंदा बाई, मनोहर सिंह,श्रीमती सुमित्रा चम्मू कोल तथा ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिला सशक्तिकरण व स्वरोजगार के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाली सोमवती,राधा सिंह,पद्मा चतुर्वेदी, मीना सिंह, देवकी सिंह,रूपा बैगा, संखी काछी, आरती सिंह, नेहा सिंह, दुर्गा साहू, सविता सिंह, नाजनीन, पार्वती सिंह राठौर, फूल बाई लखपति दीदी को प्रमाण देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में महिलाओ ने अपने अपने अनुभवों को साझा किया । कार्यक्रम का संचालन जिला परियोजना समन्वयक खेमलाल साहू राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान जिला पंचायत उमरिया द्वारा किया गया । इस अवसर पर जिला समन्वयक एन आर एल एम चंद्रभान सिंह सहित समूह की दीदीयां उपस्थित रही।

मजदूर मुद्दों पर उबाल

एटक की केंद्रीय बैठक में ठेका मजदूरों के शोषण और खदान सुरक्षा पर आंदोलन का ऐलान

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। जमुना कोतमा क्षेत्र के बंकिम बिहार जमुना कालरी में एसकेएमएस (एटक) के केंद्रीय पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष कामरेड कन्हैया सिंह ने की। इस दौरान केंद्रीय महासचिव एवं नवनियुक्त छत्तीसगढ़ राज्य (एटक) अध्यक्ष कामरेड अजय विश्वकर्मा, कंपनी उपाध्यक्ष मंडल, सचिव मंडल, कोषाध्यक्ष सहित 29 सदस्यीय टीम मौजूद रही। क्षेत्रीय स्तर पर सचिव अयाज अली, अध्यक्ष प्रमोद खांडई, कोषाध्यक्ष पंचू यादव समेत कई पदाधिकारी व वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में संगठन से जुड़े प्रमुख मुद्दों के साथ केंद्र सरकार द्वारा लागू चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड) पर विस्तृत चर्चा की गई। कामरेड अजय विश्वकर्मा ने कहा कि ठेका मजदूरों के साथ भारी अन्याय हो रहा है। उन्हें न तो उचित मजदूरी मिल रही है और न ही कार्य की पर्ची दी जा रही है। मात्र 400-500 रुपये देकर 12 घंटे तक काम लिया जा रहा है, जो गंभीर शोषण का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि संगठन इस मुद्दे को लेकर व्यापक आंदोलन करेगा और मजदूरों को उनका अधिकार दिलाया जाएगा। उन्होंने खदानों में सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। बताया गया कि मजदूरों को दो-दो वर्षों से गमबूट नहीं मिले हैं, आईआर (इंडसट्रियल रिलेशन) की प्रक्रिया प्रभावित है और जहां आईआर हो भी रहा है, वहां मिनट्स तक उपलब्ध नहीं कराए जा रहे। फंड की कमी का हवाला देकर मजदूरों की मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी की जा रही है, जबकि अन्य मदों में अनावश्यक खर्च जारी है। मजदूरों के जर्जर आवास भी चिंता का विषय बने हुए हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कामरेड कन्हैया सिंह ने कहा कि ठेका और स्थायी दोनों ही मजदूरों की समस्याओं को लेकर संगठन संघर्ष के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन से वार्ता के साथ-साथ चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा, ताकि मजदूरों को उनका हक मिल सके। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इन सभी मुद्दों को लेकर पूरे क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से आंदोलन किया जाएगा, जिससे मजदूरों की आवाज को मजबूती मिल सके।

रामलाल रौतेल को अनुसूचित जनजाति आयोग अध्यक्ष बनाए जाने पर बधाइयों का सिलसिला

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा जनजातीय समाज के विकास को मिलेगी नई दिशा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक, लोकप्रिय भाजपा नेता, मध्य प्रदेश कोल विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष तथा पूर्व अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल को एक बार फिर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने विश्वास जताते हुए मध्य प्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग का अध्यक्ष मनोनीत किया है। गत दिवस उनके मनोनयन संबंधी पत्र जारी होने के बाद पूरे क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का वातावरण देखा जा रहा है।

रामलाल रौतेल को मध्य प्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने पर पवित्र नगरी अमरकंटक सहित पूरे अनूपपुर जिले के भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि श्री रौतेल के मनोनयन से जनजातीय समाज में नई आशा और विश्वास का संचार हुआ है तथा आम जनता में उत्साह का वातावरण बना है। भाजपा नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री रौतेल अपने अनुभव, सक्रियता और जनसेवा के माध्यम से जनजातीय समाज को साथ लेकर शासन की योजनाओं का प्रभावी लाभ दिलाने का कार्य करेंगे तथा समाज के उत्थान के लिए नई ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे। पवित्र नगरी अमरकंटक में बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से अमरकंटक विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष अंबिका तिवारी, भाजपा नेत्री अंजना कटारे, राहुल पांडेय पुर्व जिला उपाध्यक्ष, बबीता सिंह, भानू प्रसाद सेन, रोशन पनारिया (मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद), राम गोपाल द्विवेदी, पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष, सांसद प्रतिनिधि प्रकाश द्विवेदी विक्की, पूर्व अध्यक्ष प्रभा पनारिया, पार्षद सावित्री सिंह उईके, पार्षद सुश्री कल्पना सुरेश, पार्षद पवन तिवारी, पार्षद दिनेश द्विवेदी, उत्तम द्विवेदी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

राजनगर में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह 'राहुल' का स्वागत, कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज राजनगर। मध्यप्रदेश के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह 'राहुल' का बुधवार को अनूपपुर जिले के दौरे के दौरान राजनगर आगमन हुआ। इस दौरान उनका विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। अजय सिंह राहुल ने अपने दौरे के दौरान अनूपपुर से लेकर पुष्पराजगढ़, कोतमा और बिजुरी होते हुए राजनगर पहुंचे। यहां नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के उपाध्यक्ष धनंजय सिंह (मुन्ना भैया) के निवास पर उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन की स्थिति और स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुड्डू चौहान, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नागेंद्र नाथ सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश सिंह, राजनगर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सिंह परिहार, महिला शक्ति के रूप में श्रीमती रूपा श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपाध्यक्ष धनंजय सिंह ने अजय सिंह राहुल का पुष्पगुच्छ, शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। दौरे के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और संगठन को मजबूत करने को लेकर चर्चा भी की गई।

भीषण गर्मी के मौसम मे लोग पेट्रोल भरवाने के लिए होते रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज कोतमा। दो दिनों से नगर के मुख्य जगह पर स्थित दो पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल नहीं होने के कारण वाहन चालक को पेट्रोल भरवाने को लेकर काफी परेशान है। शुक्रवार को नगर के केशवाही चौरहा के पास स्थित एचपी पेट्रोल पंप एवं केशवाही रोड मे स्थित भेया किसान पेट्रोल पंप मे पेट्रोल नही मिलने के कारण बनिया टोला मे स्थित ज्योति पेट्रोल पंप मे पेट्रोल भरवाने के लिए घंटों वाहनों की कतार लगी रही। इस भीषण गर्मी के मौसम मे लोग पेट्रोल भरवाने के लिए परेशान होते रहे। जबकि सरकार की ओर से बार बार यह कहा जा रहा है कि देश मे पेट्रोल डीजल गैस सिलेंडर की कमी नही है वावजूद पेट्रोल पंप संचालकों की मनमानी के कारण यह स्थिति आये दिन नगर मे निर्मित हो रही है। इसका मुख्य कारण जिला प्रशासन के द्वारा समय-समय पर पेट्रोल पंपों की जांच नही की जाती है एवं पेट्रोलियम कंपनियों मे सेल्स आफिसर की नियुक्ति होने के बाद भी इनके द्वारा पेट्रोल पंपों की जांच नही की जाती है जिसके कारण आये दिन वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ई विकास पोर्टल पर बिना प्रविष्टि के उर्वरक विक्रय करने पर हुई कार्यवाही

उमरिया।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने बताया कि कृषि विभाग व्दारा उर्वरक विक्रेताओ के विरूध्द कड़ी कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जिले के मेसर्स निलेश खाद एवं बीज भंडार प्रो. निलेश साहू चंदिया, अग्रवाल एग्रीकल्चर प्रो. हरीश अग्रवाल ग्राम पोस्ट् उमरिया बकेली विकासखंड मानपुर के लायसेंस निलंबन की कार्यवाही ई विकास पोर्टल पर प्रविष्टि किए बिना खाद का विक्रय करने पर की जा चुकी है । उन्होंने बताया कि शासन व्दारा उर्वरक की कालाबाजारी रोकने और किसानों को सुलभता से खाद उपलब्ध कराने हेतु ई विकास पोर्टल पर स्टॉक और वितरण की जानकारी दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। विभाग व्दारा औचक निरीक्षण मे यह पाया गया कि कुछ निजी विक्रेताओं व्दारा पोर्टल का उपयोग न करते हुए सीधे तौर पर उर्वरक का प्रदाय किया गया है । जो कि उर्वरक नियंत्रण आदेश के खंड 31 एवं 32 तथा मप्र शासन के लागू प्रावधानों के अंतर्गत उल्लंघन है । उप संचालक कृषि ने बताया कि बिना पोर्टल प्रविष्टि के उर्वरक का लेन देन अवैध माना जाएगा। स्टॉक रजिस्टर और पोर्टल के आंकड़ो मे भिन्नता पाए जाने पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी ।

खबर संक्षेप

ईमानदारी, लगन और कर्तव्य निष्ठा के साथ जनगणना कार्य को बनाएं सफलः कमिश्नर

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय शहडोल में जनगणना 2026-27 के तहत चल रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि जनगणना कार्य में संलग्न अधिकारी, कर्मचारी जनगणना कार्य को पूरी ईमानदारी, लगन एवं कर्तव्य निष्ठा के साथ सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणार्थी, प्रशिक्षण में दी जा रही जानकारी को ध्यान पूर्वक सुने, समझे और उसे जनगणना कार्य में उपयोग करें। कमिश्नर ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान मन में कोई भी जिज्ञासा हो तो उसे निःसंकोच मास्टर ट्रेनर्सों से प्रश्न करें।

कमिश्नर ने कहा कि जनगणना 2026-26 अंतर्गत प्रथम चरण 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्व गणना का कार्य किया जा रहा है, इसके लिए प्रगणक आमजन को स्व-गणना करने हेतु उन्हें सटीक और सही जानकारी धैर्य और समझदारी के साथ दें जिससे जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो सकें। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने जनगणना कार्य हेतु दिए जा रहे प्रशिक्षण कार्य का अवलोकन कर मास्टर ट्रेनर्सो एवं प्रगणको को अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही कमिश्नर ने मास्टर ट्रेनर्स से स्व गणना के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्नो के बारे में भी जानकारी ली। प्रशिक्षण के दौरान परिवार ऑकड़ा, लोकेशन मैपिंग, एसई जनरेट, फील्ड की पूर्व तैयारी, मोबाइल ऐप, फील्ड विजिट, भौतिक सत्यापन, एडिट प्रोटोकाल और सिस्टम टैगिंग, विशेष क्षेत्र और क्षेत्र सीमाएं, हेंडसेक, भाषा की बारीकियां, सत्यापन तर्क सहित जनगणना कार्य हेतु अन्य जानकारियो से भी अवगत कराया गया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्री सरोधन सिंह, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती आशा भंडारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

आसमान से बरस रही आग, डॉ. अभिषेक मिश्रा ने जारी की स्वास्थ्य एडवाइजरी

भीषण गर्मी की चपेट में धनपुरीः 39 डिग्री पहुंचा पारा, जनजीवन अस्त-व्यस्त

बुढ़ार। कोयलांचल क्षेत्र धनपुरी नगर में इन दिनों सूर्य की प्रचंड तपिश ने अग्निपरीक्षा जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है और बाजारों की रौनक गायब हो गई है। गर्म हवाओं (लू) के थपेड़ों ने राहगीरों और श्रमिकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में पारा और चढ़ सकता है।

बिजली-पानी की किल्लत ने बढ़ाई मुसीबत

गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली और पानी की मांग में भारी उछाल आया है। कई क्षेत्रों में दोपहर के समय होने वाली बिजली कटौती ने बुजुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों की परेशानी को दोगुना कर दिया है।

चिकित्सा अधिकारी की सलाहः दोपहर 12 से 3 बजे तक घर में रहें

बढ़ते खतरों को देखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनपुरी के प्रमुख चिकित्सक डॉ.अभिषेक मिश्रा ने नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। डॉ. मिश्रा ने कहाःवर्तमान परिस्थितियों

में हीट स्ट्रोक का खतरा अत्यधिक है। नागरिक अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें, विशेषकर दोपहर 12 से 3 बजे के बीच घर के भीतर रहना ही सबसे सुरक्षित है।

बचाव के मुख्य उपायः

डॉ. मिश्रा ने महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी हैःहाइड्रेशनः शरीर में पानी की कमी न होने दें। नियमित रूप से जल, छाछ और नींबू पानी का सेवन करें।,पहनावाः हल्के, सूती और ढीले वस्त्र पहनें। बाहर निकलते समय सिर को अवश्य ढंकें।लक्षणों पर ध्यान देंः चक्कर आना, अत्यधिक पसीना, सिर दर्द, उल्टी या कमजोरी महसूस होने पर इसे नजरअंदाज न करें।त्वरित उपचारः यदि किसी में हीट स्ट्रोक के लक्षण दिखें, तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। डॉ. मिश्रा ने आश्वस्त किया कि शासन द्वारा गर्मी से निपटने के लिए अस्पतालों में पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं।सावधानी ही सुरक्षा हैः वर्तमान में सावधानी और सतर्कता ही इस भीषण गर्मी से बचाव का सबसे सशक्त उपाय है। नगरवासी अब केवल बादलों की छांव और राहत की बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

जयसिंहनगर में मंगलमयी महाकुंभ

200 जोड़ों ने थामा एक-दूसरे का हाथ

मुख्यमंत्री कन्या विवाह में उमड़ा खुशियों का सैलाब

जयसिंहनगर। स्थानीय थाना मैदान में उस समय एक अद्भुत और अलौकिक दृश्य निर्मित हुआ, जब पवित्र मंत्रोच्चार और शहनाइयों की गूंज के बीच सैकड़ों जोड़ों ने सात फेरे लेकर अपने गृहस्थ जीवन की दहलीज पर कदम रखा। जनपद पंचायत जयसिंहनगर के तत्वाधान में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह/ निकाह कार्यक्रम न केवल एक आयोजन रहा, बल्कि सामाजिक समरसता और नारी सम्मान का एक ऐसा महाकुंभ बन गया जिसने क्षेत्र के इतिहास में एक सुनहरा अध्याय लिख दिया।

वैदिक ऋचाओं से गुंजायमान हुआ आकाश

कार्यक्रम का शुभारंभ पूरी तरह धार्मिक मर्यादाओं और परंपराओं के साथ हुआ। आचार्य लवकुश मिश्रा के सानिध्य में प्रकांड विद्वानों ने जब वैदिक मंत्रोच्चार शुरू किया, तो पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। लगभग 200 नवविवाहित जोड़ों ने अग्नि को साक्षी मानकर साथ निभाने का वचन दिया। जहां हिंदू जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार हुआ, वहीं मुस्लिम जोड़ों का निकाह भी पूरे रीति-रिवाज के साथ संपन्न कराया गया, जो आपसी भाईचारे की मिसाल पेश कर रहा था।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने लुटाया स्नेह

इस भव्य समारोह में क्षेत्रीय जननायक और प्रशासनिक अधिकारियों का जमावड़ा लगा रहा। जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह और

ब्यौहारी विधायक शरद जुगलाल कोल ने नवविवाहित वधुओं को बेटी के रूप में संबोधित करते हुए आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा, कलेक्टर केदार सिंह और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सुश्री काजोल सिंह सहित अन्य अतिथियों ने जोड़ों पर पुष्प वर्षा कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अतिथियों ने कहा कि शासन की यह महत्वाकांक्षी योजना गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। यहां बेटियों की विदाई पूरे मान-सम्मान और शासन द्वारा प्रदत्त उपहार सामग्री व सहायता राशि के साथ गरिमामय ढंग से की गई।

प्रशासनिक अमले ने पेश की मिसाल

कार्यक्रम को सफल बनाने में जनपद सीईओ शिवानी जैन, तहसीलदार सुषमा धुर्वे और जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती सिंह की सक्रियता सराहनीय रही। पार्किंग से लेकर भोजन और सुरक्षा तक के इंतजाम इतने पुख्ता थे कि दूर-दराज से आए हजारों ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। पंचायतों के सचिव, रोजगार सहायक और नगर परिषद के पार्षदों ने कंधे से कंधा मिलाकर इस भव्य आयोजन को अंजाम दिया।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

समारोह में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चक्रधारी शुक्ला, जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती रक्षा शिब्बू सिंह, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अरुण गौतम, सातिका तिवारी, सरपंच संघ अध्यक्ष कविता सिंह, मंडल अध्यक्ष जयश्री कचेर, वरिष्ठ नेता राजेश द्विवेदी, रामनारायण पांडेय, पार्षद नीरज शर्मा, दिवाकर पयासी, आदेश शुक्ला (राजा), मनोज द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि साक्षी बने। सामूहिक विवाह के इस आयोजन ने सिद्ध कर दिया कि जब शासन की नीयत और प्रशासन की मेहनत एक साथ मिलती है, तो समाज के अंतिम व्यक्ति के घर में भी शहनाइयां गूंजती हैं। विदाई के समय बेटियों के चेहरे की मुस्कान और माता-पिता की आँखों में संतोष के आंसू इस योजना की सफलता की सबसे बड़ी गवाही दे रहे थे।

एमपी पीएससी राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 के लिए सुरक्षा व्यवस्था लागू

शहडोल। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आगामी 26 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाली राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 की शुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। यह परीक्षा प्रदेश के सभी 54 संभाग और जिला मुख्यालयों के निर्धारित 365 परीक्षा केंद्रों पर दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। शहडोल जिले में कुल 5 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं । प्रथम सत्र प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और द्वितीय सत्र दोपहर 02:15 बजे से शाम 04:15 बजे तक ओ.एम.आर. पद्धति से संपन्न होगा।

परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों पर 90 मिनट पूर्व पहुंचना अनिवार्य

परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन हेतु आयोग ने इस बार नई नियमावली और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की है, जिसकी जानकारी सभी संबंधित अधिकारियों को प्रसारित कर दी गई है। सुरक्षा के कड़े मानकों के तहत परीक्षा केंद्रों पर त्रि-स्तरीय जांच प्रक्रिया अनिवार्य की गई है। इसके अंतर्गत परीक्षार्थियों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग और हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर के माध्यम से गहन तलाशी ली जाएगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से कम से कम 90 मिनट पूर्व पहुंचना अनिवार्य होगा ताकि समय पर जांच प्रक्रिया पूरी की जा सके।

फ्रिस्किंग की प्रक्रिया को गरिमापूर्ण बनाने के लिए पुरुष अभ्यर्थियों की जांच पुरुष वीक्षकों द्वारा और महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला वीक्षकों द्वारा बंद केबिन में की जाएगी। ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों को यह विशेष विकल्प दिया गया है कि वे अपनी सुविधा अनुसार महिला या पुरुष कर्मचारी से अपनी जांच करवा सकते हैं।

परीक्षा कक्ष के भीतर अनुशासन बनाए रखने के लिए अभ्यर्थियों को केवल सीमित वस्तुओं के साथ प्रवेश की अनुमति दी गई है। परीक्षार्थी अपने साथ केवल काला या नीला बॉलपेन, पारदर्शी पानी की बोतल, ई-प्रवेश पत्र और मूल पहचान पत्र ही ले जा सकेंगे। अन्य सभी प्रकार की वस्तुएं, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल और स्मार्ट वॉच पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे।

राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 के लिए परीक्षार्थियों हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश और वर्जित वस्तुओं की विस्तृत सूची जारी की गई है। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए आयोग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के उपयोग को रोकने हेतु परीक्षा कक्ष में जूते-मोजे पहनकर प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा; परीक्षार्थी केवल चप्पल या सैंडल पहनकर ही परीक्षा दे सकेंगे। इसके अतिरिक्त, चेहरे को ढककर परीक्षा कक्ष में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। अभ्यर्थियों की तलाशी पूर्ण गरिमा के साथ ली जाएगी, जिसमें महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला अधिकारियों द्वारा की जाएगी और उनके दुपट्टे या चुन्नियों की सूक्ष्म जांच के बाद उन्हें तुरंत वापस लौटा दिया जाएगा।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा कक्ष में केवल चुनिंदा वस्तुएं ही अनुमत होंगी, जिनमें ई-प्रवेश पत्र, वैध पहचान पत्र, गोले बनाने हेतु निर्धारित स्याही का पेन, स्वयं का फोटोग्राफ (यदि आवश्यक हो), पानी की पारदर्शी बोतल और दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक सामग्री शामिल है। इनके अलावा अन्य सभी सामग्रियां जैसे स्टेशनरी (पेंसिल, रबर, व्हाइटनर, स्केल), बैग, और किसी भी प्रकार की पठन सामग्री प्रतिबंधित रहेगी।

सभी प्रकार के आई.टी. गैजेट्स और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल फोन, पेनड्राइव, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ, हैंडफ्री, डिजिटल, स्मार्ट या एनालॉग घड़ियाँ और संचार उपकरण के रूप में उपयोग होने वाली कोई भी वस्तु ले जाना वर्जित है।

सहायक वस्तुओं (एसेसरीज) के संबंध में भी कड़े नियम लागू किए गए हैं। बालों में लगाए जाने वाले क्लचर या बक्कल, हाथ के मैटेलिक या चमड़े के बैंड, कमर के बेल्ट, कफलिंक, धूप के चश्मे, पर्स, वॉलेट, टोपी, चाबी, लाइटर और माचिस बॉक्स जैसी वस्तुएं परीक्षा केंद्र के भीतर ले जाना निषिद्ध है।

धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करते हुए आयोग ने निर्देश दिया है कि हिजाब, पगड़ी, पल्ला, हाथ में बंधे धागे (कलावा), ताबीज या अन्य धार्मिक प्रतीकों और महिलाओं के आभूषणों को उतरवाया नहीं जाएगा, परंतु उनकी सूक्ष्मता से जांच की जाएगी। किसी भी परिस्थिति में इन धार्मिक या सामाजिक प्रतीकों को काटने-फाड़ने या बलपूर्वक हटाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा केंद्र पर कोई भी कीमती सामान या अस्त्र-शस्त्र लेकर न आएं।

जीवनदायिनी 108 को बनाया चोरी का जरिया

एएनएम की स्कूटी पार

शहडोल। जिले में अपराध के नए-नए और शर्मनाक अध्याय लिखे जा रहे हैं। जयसिंहनगर से लेकर धनपुरी तक अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे सरकारी तंत्र और मानवता की दुहाई देने वाली जीवनदायिनी 108 एम्बुलेंस का इस्तेमाल भी चोरी की वारदातों के लिए करने लगे हैं। ताजा मामला धनपुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का है, जहां एक शातिर चोर ने मरीज बनकर न केवल अस्पताल में प्रवेश किया, बल्कि दिनदहाड़े सेवा दे रही एक स्वास्थ्य कर्मचारी (एएनएम) की स्कूटी उड़ाकर रफूचक्कर हो गया।

एम्बुलेंस से उतरा और लंगड़ाते हुए की एंट्री

जानकारी के अनुसार खाम्हीडोल निवासी रामानंद तिवारी नाम के एक शख्स ने बड़ी ही चालाकी से 108 एम्बुलेंस को कॉल कर खुद को दुर्घटना का शिकार बताया। घायल होने का नाटक करते हुए वह एम्बुलेंस से धनपुरी अस्पताल पहुंचा। सीसीटीवी फुटेज गवाही दे रहे हैं कि कैसे यह बहरूपिया एम्बुलेंस से उतरते वक्त पैर घसीटकर और लंगड़ाते हुए चल रहा था ताकि किसी को शक न हो। उसने चिकित्सा कर्मचारियों से एमएलसी और उपचार की चर्चा भी की, जिससे वह पूरी तरह गंभीर मरीज प्रतीत हो रहा था।

पांव ठीक होते ही मारी फर्राटा दौड़

जैसे ही इस कथित मरीज का मकसद पूरा हुआ, उसका लंगड़ापन गायब हो गया। अस्पताल के भीतर वह सामान्य तरीके से चलता हुआ बाहर निकला और सीधे पार्किंग की ओर बढ़ा। वहां तैनात एएनएम संगीता सिंह की होंडा एक्टिवा (क्रमांक एमपी 19 एमडब्ल्यू 4655) को उसने अपना निशाना बनाया और उसे स्टार्ट कर वहां से फरार हो गया। जब संगीता सिंह अपनी ड्यूटी के बाद पार्किंग में पहुंचीं, तो वाहन न पाकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई।

पुलिस की गिरफ्त में सारथी

इस पूरे घटनाक्रम में 108 एम्बुलेंस के चालक की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चालक अशोक बैगा को हिरासत में लिया है। हालांकि चालक का दावा है कि उसे दुर्घटना की सूचना मिली थी और वह केवल अपना कर्तव्य निभा रहा था, लेकिन पुलिस इस बात की गहराई से तफ्तीश कर रही है कि क्या चोर और चालक के बीच पहले से कोई सांठ-गांठ थी।

आरोपी की गर्दन तक पहुंचेंगे हाथ

धनपुरी थाना प्रभारी खेम सिंह पेंद्रो ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कड़े तेवर अपनाए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज में चोर का चेहरा और उसकी पूरी हरकत साफ कैद हुई है। एएनएम की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी की जा रही है। जब चोर सरकारी एम्बुलेंस को ही अपनी सवारी बना लें, तो समझ लीजिए कि अपराधियों के मन से कानून का डर पूरी तरह खत्म हो चुका है।

खबर संक्षेप

जिला स्तरीय दावा आपत्ति निराकरण समिति की बैठक सम्पन्न

अनूपपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग अनूपपुर अंतर्गत ऑनलाईन माध्यम से आंगनबाडी कार्यकर्ता/सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये थे। खण्ड स्तरीय चयन समिति के अनुमोदन उपरांत महिला एवं बाल विकास के परियोजना अधिकारियों द्वारा अनंतिम सूची जारी की गई थी, जिसके विरूद्ध प्राप्त दावा आपत्तियों के निराकरण हेतु जिला स्तरीय दावा आपत्ति निराकरण समिति की बैठक 24 अप्रैल को प्रातः 10:00 बजे जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई। जिला स्तरीय दावा आपत्ति समिति की अध्यक्ष एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी, जिला पंचायत स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास समिति के सभापति भूपेंद्र सिंह, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद परस्ते सहित सर्व-संबंधित तथा दावा आपत्ति कर्ता उपस्थित रहे।

जनगणना का स्वगणना पत्रक भरने ट्रेनर ने दी जानकारी

अनूपपुर। भारत की जनगणना-2026 के संदर्भ में ऑनलाइन स्व गणना प्रपत्र भरने के संबंध में की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में जनगणना निदेशालय भोपाल के प्रशिक्षक द्वारा जन जागरूकता के तहत जानकारी दी गई। जिला पंचायत सभागार में महिला बाल विकास विभाग के आंगनबाड़ी तथा सहयोगी हेतु जिला स्तरीय दावा आपत्ति के लिए जिले के विभिन्न अंचलों से आए लोगों को जनगणना के स्वगणना पत्रक भरकर ऑनलाइन क्रमांक को संधारित कर जनगणना के सर्वे के लिए आने वाले कार्मिक को उपलब्ध कराए जाने के संबंध में बताया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी तथा जिला पंचायत महिला एवं बाल विकास समिति के सभापति भूपेंद्र सिंह, महिला बाल विकास विभाग के जिला परियोजना समन्वयक विनोद परस्ते तथा सर्व शिक्षा अभियान के अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यवाही के बावजूद बेखौफ ड्राइवर, जिम्मेदार बने लापरवाह

मालवाहक वाहनों में सवारियां ढोने का खतरनाक खेल जारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कोतमा क्षेत्र में यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए मालवाहक वाहनों में सवारियां ढोने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पुलिस द्वारा लगातार चालानी कार्यवाही के बावजूद वाहन चालक बेखौफ होकर लोगों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। शादी-ब्याह के सीजन में यह समस्या और बढ़ गई है, जहां पिकअप और अन्य मालवाहक वाहनों में ठूंस-ठूंस कर सवारियां ले जाई जा रही हैं। बढ़ती दुर्घटनाओं के बावजूद प्रशासन की कार्यवाही असरहीन साबित हो रही है। जिले के सभी तीनों पुलिस अनुभाग के क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा को लेकर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। मालवाहक वाहनों का उपयोग यात्रियों को ढोने के लिए खुलेआम किया जा रहा है, जो न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन है बल्कि गंभीर हादसों को भी न्योता देता है। पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाकर चालानी कार्यवाही की जा रही है, लेकिन इसका असर जमीनी स्तर पर नजर नहीं आ रहा है। वाहन चालक पुलिस की मौजूदगी वाले मार्गों से बचकर दूसरे रास्तों से सवारियां ले जाते हैं, जिससे कार्यवाही से बच निकलते हैं। शादी-ब्याह के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो गई है, जहां ग्रामीण क्षेत्रों में लोग सुविधा के अभाव में मालवाहक वाहनों का सहारा ले रहे हैं। पिछले वर्षों में हुई कई दर्दनाक दुर्घटनाएं भी लोगों को सबक नहीं सिखा पाई हैं, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

कार्यवाही के बावजूद जारी लापरवाही

पुलिस द्वारा लगातार चालानी कार्यवाही किए जाने के बावजूद मालवाहक वाहनों में सवारियां ढोने का सिलसिला जारी है। वाहन चालक नियमों की अनदेखी करते हुए लोगों की जान को जोखिम में डाल रहे हैं। कार्यवाही के डर के बावजूद वे नए-नए तरीके अपनाकर पुलिस से बच निकलते हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि केवल चालान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि सख्त निगरानी और कठोर दंड की आवश्यकता है, ताकि इस खतरनाक प्रवृत्ति पर रोक लगाई जा सके।

शादी-ब्याह में बढ़ा जोखिम

शादी-ब्याह के सीजन में यह समस्या और अधिक बढ़ जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग बारात और अन्य कार्यक्रमों के लिए मालवाहक वाहनों का उपयोग कर रहे हैं। इन वाहनों में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाई जाती हैं, जिससे हादसे का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। सुबह से देर रात तक ऐसे वाहन सड़कों पर दौड़ते नजर आते हैं, लेकिन इस पर रोक लगाने में प्रशासन पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहा है।

हादसों से नहीं ले रहे सबक

पिछले वर्षों में कीरर घाट सहित कई स्थानों पर गंभीर सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें कई लोगों की जान गई और कई घायल हुए। ऑटो और पिकअप वाहनों के पलटने की घटनाएं भी सामने आई हैं। इसके बावजूद वाहन चालकों की लापरवाही कम नहीं हो रही है। यह दर्शाता है कि लोगों में अभी भी जागरूकता की कमी है और नियमों का पालन करने की गंभीरता नहीं है।

प्रशासनिक बैठकों का नहीं दिख रहा असर

दुर्घटनाओं के बाद जिला प्रशासन द्वारा ऑटो चालकों और मालिकों की बैठकें भी आयोजित की गई थीं, जिसमें उन्हें नियमों का पालन करने की समझाइश दी गई थी। लेकिन ये बैठकें केवल औपचारिकता बनकर रह गईं। जमीनी स्तर पर कोई ठोस असर देखने को नहीं मिला, जिससे यह स्पष्ट होता है कि केवल समझाइश से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

दुर्घटना के बाद ही जागता है सिस्टम

अक्सर देखा गया है कि जब कोई बड़ी दुर्घटना होती है, तभी प्रशासन सक्रिय होता है और कुछ दिनों तक सख्ती दिखाई जाती है। इसके बाद फिर वही पुराना ढर्रा शुरू हो जाता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए जरूरी है कि प्रशासन लगातार निगरानी रखे और सख्त कार्रवाई करे, ताकि लोगों की जान के साथ खिलवाड़ करने वालों पर अंकुश लगाया जा सके।

श्री कल्याण सेवा आश्रम द्वारा निर्मित अत्याधुनिक मुक्तिधाम नगर परिषद को समर्पित

जनसेवा का नया अध्याय प्रारंभ

हरिभूमि न्यूजअमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल करते हुए श्री कल्याण सेवा आश्रम द्वारा लगभग 40 लाख रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित आधुनिक मुक्तिधाम को आज विधिवत रूप से नगर परिषद अमरकंटक को सौंप दिया गया। इस अवसर पर पुष्पराजगढ़ के विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में नगर परिषद अमरकंटक की अध्यक्ष श्रीमती पार्वती सिंह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते सहित समस्त पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह का मुख्य आकर्षण वह क्षण रहा जब श्री कल्याण सेवा आश्रम के प्रबंध न्यासी स्वामी हिमाद्री मुनि ने मुक्तिधाम की चाबी औपचारिक रूप से नगर परिषद को सुपुर्द की। इस अवसर पर अपने संबोधन में विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने कहा कि यह मुक्तिधाम केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि समाज के प्रति सेवा, संवेदना और संस्कारों का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने आश्रम के इस लोकहितकारी कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इससे नगरवासियों को अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील कार्यों के लिए एक व्यवस्थित एवं सम्मानजनक स्थल उपलब्ध होगा।

स्वामी हिमाद्री मुनि जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आश्रम सदैव समाजसेवा के कार्यों में अग्रणी रहा है और यह मुक्तिधाम उसी सेवा भावना का प्रतिफल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नगर परिषद इस व्यवस्था का सुचारू संचालन कर इसे जनसुविधा के रूप में विकसित करेगी। कार्यक्रम में धार्मिक संत-महात्माओं एवं जनप्रतिनिधियों की भी गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें स्वामी हरस्वरूप महाराज, स्वामी धर्मानंद महाराज, विनोद कर, राजेंद्र बिष्ट (पार्षद, वार्ड क्रमांक 10), देवानंद खत्री (पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष), रामगोपाल द्विवेदी, रोशन पनारिया, पवन तिवारी, सुखनंदन सिंह, विमला दुबे, उषा बाई, रोहन लाल चंद्रवंशी, सांसद प्रतिनिधि प्रकाश द्विवेदी, पूर्व मंडल महामंत्री अभिषेक द्विवेदी, शक्ति शरण पांडे, डॉ. एसके तिवारी, संतोष पांडे सहित सैकड़ों जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं पत्रकार साथी उपस्थित रहे। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पार्वती सिंह एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते ने आश्रम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि मुक्तिधाम की व्यवस्था को सुव्यवस्थित एवं जनहितकारी बनाए रखने हेतु हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि आज से यह मुक्तिधाम अमरकंटक नगरवासियों एवं अन्य क्षेत्रों से आने वाले लोगों के लिए पूर्णतः खुल गया है। इस पहल से न केवल स्थानीय नागरिकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि अमरकंटक की सामाजिक संरचना में एक सशक्त और संवेदनशील अधोसंरचना का भी समावेश हुआ है।

नवोदय विद्यालय में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। नवोदय विद्यालय समिति, क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के निर्देशानुसार पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, अमरकंटक में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का पांच दिवसीय राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण एवं जांच शिविर अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह शिविर 17 अप्रैल से 21 अप्रैल तक विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें अनुशासन, सेवा, नेतृत्व एवं राष्ट्रभक्ति की उत्कृष्ट भावना का समन्वित प्रदर्शन देखने को मिला। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अर्चना सिंह पायक के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में 17 जिलों के नवोदय विद्यालयों से आए कुल 205 प्रतिभागियों 90 स्काउट्स एवं 115 गाइड्स ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों में भाग लिया तथा राज्य पुरस्कार हेतु आवश्यक दक्षताओं का अभ्यास एवं मूल्यांकन कराया। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को आत्मनिर्भरता, टीम वर्क, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सेवा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अनुशासित दिनचर्या, समूह गतिविधियों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने शिविर को ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बनाया। प्रशिक्षक दल में जबलपुर से अविनाश शुक्ला (एलओसी स्काउट्स) एवं छिंदवाड़ा से श्रीमती छाया चतुर्वेदी (एलओसी गाइड्स) ने प्रमुख भूमिका निभाई। इनके साथ प्रशिक्षक टीम के अन्य सदस्य जितेंद्र सिंह सूर्यवंशी (मंडला), योगेश्वर वर्मा (डिंडोरी) एवं श्रीमती सुनीता कुमारी (बालाघाट) ने भी अपने अनुभव एवं विशेषज्ञता से प्रशिक्षण को प्रभावी बनाया। इस आयोजन की सफलता में विद्यालय परिवार के सदस्यों रमेश कुमार सिंह, मो. शेख वहीद, श्रीमती मनोरमा कौशल, डीएस सेंगर, सचिन जाटव, वीडी चौहान, विक्रांत सिंह, प्रवीण सिंह, श्रीमती जयश्री पेंद्रे, अजय शुक्ला, अतुलित एवं सूरज सिंहकृका विशेष योगदान रहा, जिनके समर्पण एवं सहयोग से शिविर का सफल संचालन संभव हो सका। शिविर के समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए इसे जीवनोपयोगी एवं प्रेरणास्त्रोत बताया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन एवं नेतृत्व के गुणों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।

पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने का राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस पर लिया गया संकल्प

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस 24 अप्रैल के अवसर पर जैतहरी जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत छुलहा में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाल्मिक राठौर, जनपद अध्यक्ष जैतहरी राजीव सिंह, जनपद जैतहरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी केके रैकवार, परियोजना अधिकारी मनरेगा रावेन्द्र पटेल, जिला समन्वयक संदीप शुक्ला सहित विभिन्न ग्राम पंचायतो के सरपंच, उप सरपंच, सचिव, पंच सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस पर पंचायती राज व्यवस्था के संबंध में विस्तार से प्रकाश डाला गया वक्ताओं ने पंचायत राज के महत्व, लोकतंत्र को मजबूत बनाने तथा पंचायत राज की त्रिस्तरीय व्यवस्था के संबंध में जानकारी साझा की। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने पंचायत राज पर अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए पंचायती व्यवस्था को सशक्त बनाने पर बल दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्राम पंचायत छुलहा के सचिव पुष्पेंद्र पाण्डेय का उल्लेखनीय योगदान रहा कार्यक्रम का मंच संचालन संजय सिंह परिहार सचिव ग्राम पंचायत केल्हौरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने का राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस पर संकल्प व्यक्त किया गया।

नारद जयंती पर अनूपपुर में भव्य आयोजन

मेधावी छात्र-छात्राएं व पत्रकार होंगे सम्मानित

बंकिम बिहार गेस्ट हाउस में होगा कार्यक्रम, मंत्री-सांसद समेत कई जनप्रतिनिधि रहेंगे मौजूद

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद, ब्लॉक इकाई अनूपपुर द्वारा देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर 3 मई को भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम बंकिम बिहार गेस्ट हाउस में आयोजित होगा, जिसकी तैयारियां तेज गति से चल रही हैं। आयोजन समिति के अनुसार देवर्षि नारद को प्रथम पत्रकार के रूप में सम्मानित किया जाता है। वे सूचना प्रसारण एवं समन्वय के प्रतीक माने जाते हैं। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद द्वारा यह आयोजन अनूपपुर जिले में पिछले कई वर्षों से निरंतर किया जा रहा है। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद, ब्लॉक इकाई अनूपपुर की कोर कमेटी बैठक में कार्यक्रम के संयोजक के रूप में भगवान दास मिश्रा एवं चंदन केवट को जिम्मेदारी सौंपी गई है। संयोजकों ने बताया कि आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। कार्यक्रम में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, सांसद हिमाद्री सिंह, पूर्व मंत्री एवं विधायक बिसाहूलाल सिंह, कलेक्टर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, महाप्रबंधक जमुना कोतमा क्षेत्र प्रभाकर राम त्रिपाठी, भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्याम कुमार गुड्डू चौहान सहित जिले के नगर पालिका अध्यक्ष-राम अवध सिंह, अजय सराफ, सहबिन पनिका, रेनू कोल, रवि शंकर तिवारी, डॉ. सुनील चौरसिया, यशवंत सिंह एवं उमंग गुप्ता तथा अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में काशी विद्यापीठ वाराणसी के डायरेक्टर डॉ. नागेंद्र सिंह एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक की प्रॉक्टर डॉ. मनीषा शर्मा अपने विचार व्यक्त करेंगी। इस अवसर पर कक्षा 10वीं एवं 12वीं के मेधावी छात्र-छात्राओं, यूपीएससी में सफल युवाओं तथा जिले के पत्रकारों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, गीत-संगीत एवं सहभोज की भी व्यवस्था रहेगी। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद, ब्लॉक इकाई अनूपपुर ने जिलेवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

विभाग का मैदानी अमला गंभीरता, पारदर्शिता एवं तत्परता के साथ करें कार्य-कलेक्टर

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज, अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा है कि महिला एवं बाल विकास विभाग का मैदानी अमला अपने कार्यों में और अधिक गंभीरता, पारदर्शिता तथा तत्परता लाए। उन्होंने निर्देश दिए कि हितग्राहियों का समग्र सत्यापन कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण किए जांए। लाडली लक्ष्मी योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का क्रियान्वयन लक्ष्य अनुसार निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने पोषण ट्रेकर एप पर अपार एवं आभा आईडी की प्रविष्टि, टीएचआर वितरण तथा एनआरसी में बच्चों की भर्ती के संबंध में समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री पंचोली आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी पर्यवेक्षक आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग गंभीरता के साथ करें, जिससे केन्द्रों में संचालित गतिविधियों की वास्तविक जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा संचालित प्रत्येक योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचे, इसके लिए विभागीय अधिकारी समन्वय स्थापित कर प्रभावी प्रयास करें। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की स्थिति एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा की। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में गति लाई जाए तथा पात्र हितग्राहियों को समय-सीमा के भीतर लाभ सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद परस्ते, महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायक संचालक श्रीमती मंजूषा शर्मा सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

अनुसूचित जनजाति आयोग अध्यक्ष रौतेल का अनूपपुर आगमन आज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्य प्रदेश शासन द्वारा नियुक्त अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रामलाल रौतेल का अपने गृह जिले अनूपपुर में 25 अप्रैल को आगमन होगा। उनके स्वागत को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह व्याप्त है तथा भव्य स्वागत की पूरी तैयारी की गई है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि रामलाल रौतेल 24 अप्रैल को भोपाल से अमरकंटक के लिए प्रस्थान करेंगे तथा रात्रि 12 बजे अमरकंटक पहुंचकर वहां विश्राम करेंगे। अगले दिन 25 अप्रैल को शाम 4 बजे नर्मदा मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद 4:30 बजे अमरकंटक से अनूपपुर के लिए रवाना होंगे। रामलाल रौतेल का पहला स्वागत शाम 5:30 बजे अमरकंटक चौराहा पर आयोजित समारोह में होगा। तत्पश्चात 6:30 बजे मढिया मंदिर के दर्शन कर स्टेशन चौक होते हुए अपने निवास पर पहुंचेंगे, जहां भव्य स्वागत-सम्मान समारोह आयोजित होगा। भारतीय जनता पार्टी ने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वागत में भाग लेने की अपील की है।